www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर

'इतिहासक गप ओ करैत अछि जेकर वर्तमान कमजोर होइत अछि'

पटना, 23 नवंबर, 2009 ● अंक-29 ● वर्ष-2

आखिर कौन गलती भ गेल बिहार स : नीतीश

केन्द्र कोसी क पुनर्वास क लेल दिए 14,800 करोड़ क पैकेज

पटना । बिहार क मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केन्द्र सरकार स कोसी क पुनर्वास आ पुनर्निर्माण क लेल 14,800 करोड़ टका रुपए क राशि देबा क अपन मांग फेर स दोहरेलथि अछि। नीतीश पूर्वी चंपारण क बंजरिया प्रखंड स्थित सिसवनिया गाम मे बूढ़ी गंडक नदी पर निर्मित जटवा पुल क उद्घाटन क बाद पत्रकार स गप करैत छलाह। नीतीश कहलथि जे केन्द्र सरकार द्वारा बुंदेलखंड कए सूखा स निबटबा लेल 7266 करोड़ टका क विशेष पैकेज देबाक स्वागत केलथि। ओ कहला जे केन्द्र सरकार कए बिहार क कोसी इलाका मे प्रलयंकारी बाढ़ स प्रभावित पांच लाख परिवार कए पुनर्वास आ पुनर्निर्माण क लेल सेहो मांगल गेल पैकेज क तत्काल स्वीकृति प्रदान करबा चाही । मुख्यमंत्री कहला जे प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह कोसी त्रासदी कए 'राष्ट्रीय आपदा' घोषित केने छलाह आ हुनकर निर्देश पर एससी झा क अध्यक्षता मे गठित टास्क फोर्स सेहो कोसी क पुनर्वास आ पुनर्निर्माण क लेल विशेष पैकेज देबाक अनुशंसा केने छल। ओ अफसोस जाहिर करैत कहला जे एहि सबहक बावजूद एक वर्ष स बेसी समय बीत जेबाक बावजूद केन्द्र बिहार कए विशेष पैकेज देबा लेल कोनो कार्रवाई नहि केलक अछि। मुख्यमंत्री कुमार झारखंड क सिंहभूम जिला क पुसैता क निकट नक्सली द्वारा बम विस्फोट करि टाटा-बिलासपुर पैसेंजर ट्रेन कए दुर्घटनाग्रस्त करबा क घटना क तीव्र निंदा करैत कहला जे एहि घटना मे यदि कोनो आओर तत्व शामिल अछि त एहन तत्व क विरुद्ध कड़ी कार्रवाई हेबाक चाही। ओ कहला जे पूरा देश मे एक लाख 10 हजार किलोमीटर रेल ट्रैक अछि आ हर एक किलोमीटर पटरी क सुरक्षा संभव नहि अछि।

फेर दबा देल गेल बिहारक आवाज

प्रीति लता मल्लिक

पटना । केंद्र सरकार बुंदेलखंड कए सूखा क स्थिति स निबटबा लेल 7,266 करोड़ टका का विशेष पैकेज स्वीकृत करि देल गेल जखन कि पिछड़ल आ बाढ़ आ सूखा क समस्या स ग्रस्त बिहार कए केंद्र ठेंगा देखा देलक अछि। प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह क अध्यक्षता मे आइ संपन्न केंद्रीय कैबिनेट क बैठक मे बुंदेलखंड क लेल एहि विशेष पैकेज कए मंजूरी देल गेल। मानल जा रहल अछि जे कांग्रेस क युवराज राहुल गांधी क पहल पर केंद्र इ फैसला केलक अछि। बुंदेलखंड क पूरा इलाका यूपी क छहटा जिला आ मध्य प्रदेश क छह टा जिला मे अबैत अछि। ठीक एकर विपरीत केंद्र बिहार कए विशेष पैकेज देबाक मांग पर चुप्पी साधि नेने अछि। एहि स पूर्व सेहो बंगाल कए आइला आ केरल आ तमिलनाडु कए सूनामी पीड़ित क लेल विशेष पैकेज मंजूर कैल गेल अछि। बिहार कए उम्मीद छल जे योजना आयोग क उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलुवालिया क पटना मे हेबाक कारण केंद्रक पिटारा बिहारो लेल खुलत। मुदा, एहन नहि भ सकल। एतबा धरि भ गेल जे मोंटेक बाबू बिहार कए विशेष राज्य क दर्जा देबा स इ कहिकए मना करि देलथि जे बिहार क बारे मे सोचब त दोसरो राज्य एकर मांग करत। त कि बिहार कए एहि लेल ओकर हक स वंचित राखल जाइत। आजादीक बाद कोनो राज्य लेल इ माप दंड योजना आयोग शायद नहि बनेने छल। मुख्यमंत्री आ उप मुख्यमंत्री क लाख चिरौरी क बावजूद श्री अहलुवालिया कोसी त्रासदी स निबटबा लेल ठोस रूप स किछु नहि कहला। मोंटेक क कहब छल जे विशेष राज्य कए दर्जा स बेसी नीक रहत केंद्र बिहार कए विशेष मदद दिए। एकर बाद उम्मीद जागल छल जे बिहार कए हिस्सा मे सेहो केंद्रीय मदद क रूप मे विशेष पैकेज आवत। मुदा, केंद्रीय कैबिनेट मे एहि पर चर्चा तक नहि भेल। राज्य सरकार क दिस स कोसी त्रासदी स पीड़ित लोक क पुनर्वास क लेल 14800 करोड क मांग कैल गेल अछि। खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह स भेंट करि कए एहि संबंध मे ज्ञापन सेहो देने छलाह, मुदा नीतीश बिहारक मुख्यमंत्री छथि आ राहुल कांग्रेसक युवराज। ताहि लेल कैबिनेट राहुलक अनुरोध कए त मानि लेलक मुदा बिहारक लोकक आवाज दिल्ली तक ल जेनिहार नीतीश कए अनसुना करि देलक। कारण छल जे कैबिनेट मे बिहारक एको गोटे नहि अछि आ आजादीक बाद भारत निर्माण मे बाझल बिहारी नेता कहियो अपन राज्यक विकास दिस नहि देखलथि, मुदा आइ पूरा भारतक नेता एकटा बिहार कए देखबा लेल तैयार नहि अछि।

बुंदेलखंड क मदद त बिहार कए किया नहि : शैवाल

पटना। केंद्रीय कैबिनेट मे बुंदेलखंड कए विशेष पैकेज आ बिहार पर कोनो चर्चा नहि करबा क सवाल पर अर्थशास्त्री डॉ शैवाल गुप्ता कहलथि जे केंद्र सरकार राज्य क विकास आ सहायता मे दोहरी नीति अपना रहल अछि। बुंदेलखंड क इलाका क लेल जाहि प्रकार स 7266 करोड़ क विशेष पैकेज स्वीकृत कैल गेल ओहि आधार पर बिहार क मांग पर ध्यान नहि देल गेल। ओ कहला जे कांग्रेसी सांसद राहुल गांधी क कहबा पर केंद्रीय कैबिनेट क इ निर्णय आयल अछि। बिहार कए कोसी पुनर्वास क लेल विशेष मदद भेटबाक चाही। निश्चित रूप स केंद्र एहि मामला मे दोहरा रवैया अपना रहल अछि।

राजनीतिक कारण स बिहार क भेल अनदेखी : मोदी

पटना । उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सुशील कुमार मोदी केंद्रीय कैबिनेट क निर्णय पर प्रतिक्रिया जाहिर करैत कहला जे बिहार क स्थिति बुंदेलखंड स बेसी खराब अछि। ओ कहला जे केंद्र द्वारा बिहार कए विशेष पैकेज आ विशेष राज्य क दर्जा न देबाक पाछु राजनीतिक कारण अछि। केंद्र राजनीतिक कारण स बिहार क मदद नहि करय चाहैत अछि। मोदी कहला जे बिहार मे एनडीए क सरकार अछि, एहि लेल केंद्र मदद स पाछु हटि रहल अछि। ओ कहला जे यूपीए सरकार बिहार कए विशेष पैकेज देबा लेल कमिटमेंट केने अछि। ओकर चुनाव घोषणा पत्र मे एकर चर्चा अछि। मुदा पांच वर्ष भ गेल यूपीए सरकार एकरा जानिबुझिकए बिसरबाक कोशिश करि रहल अछि। मोदी कहला जे जखन तक बिहार कए विशेष राज्य क दर्जा नहि भेटत तावत धरि लेल विशेष पैकेज स्वीकृत हेबाक चाही।

युवराज कए नजरि गेल त खजाना खुलल : शिवानंद

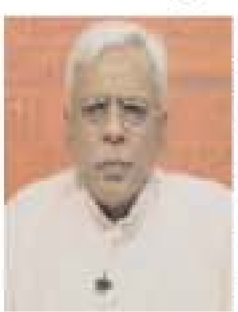

पटना । जदयू प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य शिवानंद तिवारी कहला जे बुंदेलखंड कए विशेष पैकेज स्वीकृत भेला पर बिहार कए खुशी अछि। मुदा एहन पैकेज बिहार कए सेहो भेटबाक चाही। एहि मामला मे केंद्रीय कैबिनेट जेना बिहार कए नजरअंदाज केलक ओ संविधानिक अपराध अछि। एना नहि हेबाक चाही जे युवराज क नजरि गेल त खजाना खोलि देल गेल। भारतीय संविधान कए हवाला दैत तिवारी कहला जे संविधान मे सबकए बराबरी क हक देल गेल अछि। विशेष क पिछड़ल राज्य कए अलग स सहायता देबाक चर्चा अछि। मुदा, बाढ़ आ सूखा क स्थिति लगातार झेल रहल बिहार पर केंद्र क दृष्टि नहि जा रहल अछि।

बौद्ध स्थल लेल बिहार मे एयर टैक्सी सेवा

पटना। अलग-अलग राज्य स अबै वाला पर्यटक कए लेल बिहार मे एयर टैक्सी सेवा शुरू कएल जाइत। एहि सेवा क तहत राज्य भरि मे बौद्ध स्थलक सैर कराउल जाइत। एकर जानकारी पर्यटन विभाग क एक टा अधिकारी देलाह। एहि सेवा क माध्यम स बिहार बौद्ध स्थल कए एक लिंक मे जोड़ल जाइत।
राज्य क पर्यटन विभाग क प्रमुख सचिव रश्मि वर्मा कहलथि जे इ व्यवस्था अगिला साल स शुरू भ जाइत। वर्मा कहलथि जे बिहार मे विदेशी पाहुनक बढ़ैत संख्या क देखैत इ परियोजना शुरू कएल जा रहल अछि संगहि पर्यटन स्थल क सुविधा मे सेहो वृद्धि कएल जा रहल अछि। वर्मा कहलथि जे पर्यटन विभाग एहि योजना लेल पवन हंस क संग एक टा सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करत। एहि योजना क तहत बोध गया, नालंदा, वैशाली, मोतीहारी, भागलपुर आ किछु आओर स्थल जोड़ल जाएत। एकटा सरकारी रिपोर्ट क अनुसार 3,56,446 विदेशी पर्यटक क 2008-09 मे बिहार क दौरा केलथि। जखन कि वर्ष 2007-08 मे इ आंकड़ा 1,77,362 छल। वर्ष 2006-07 मे त 94,446 स कम रहल छल, जखन कि 2005-06 मे 63,301 विदेशी पाहुन बिहार भ्रमण पर आइल छला।

साढ़े पांच साल क भीतर भेटत विशिष्ट पहचान पत्र

पटना। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) क अध्यक्ष नंदन नीलेकणी कहला जे देश क आधा आबादी कए अगिला साढ़े पांच साल क भीतर विशिष्ट पहचान पत्र भेट जाइत। पटना मे पत्रकार स चर्चा करैत ओ कहला जे 60 करोड़ लोक कए इ विशिष्ट पहचान पत्र द दैल जाइत। मुख्यमंत्री क आमंत्रण पर पटना आएल नीलेकणी कहला जे 16 अंक क नंबर वाला पहचान पत्र बिहार क लोक कए सेहो 18 माह क बाद भेटय लागत। बिहार क प्रशासन मे सूचना और प्रौद्योगिकी क बेहतर इस्तेमाल पर संतोष व्यक्त करैत प्रसिद्ध कंपनी इंफोसिस क सह-संस्थापक नीलेकणी कहला जे बिहार मे उचित तरीका स प्रशासन मे सूचना एवं तकनीक क इस्तेमाल कैल जा रहल अछि। ओ बिहार मे चलादल जा रहल ई- शक्ति कार्ड योजना पर प्रसन्नता व्यक्त करैत कहला जे सरकार द्वारा उठाउल गेल इ एकटा महत्वपूर्ण कदम अछि। एहि स पूर्व नीलेकणी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स भेंट करि सूचना एवं प्रौद्योगिकी स जुड़ल विषय पर प्रगति क जानकारी लेलथि। नीलेकणी राज्य क वरिष्ठ अधिकारी क संग बैठक करि कई महत्वपूर्ण जानकारी लेलथि आ अपनी दिस स किछु सुझाव देलथि।

2011 में शुरू होएत एकटा आउर विद्युत संयंत्र

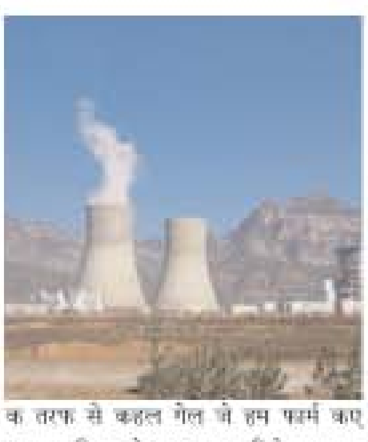

नई दिल्ली। बिहार क कहलगांव में एक टा विद्युत उत्पादन संयंत्र स्थापित करबाक लेल 300 एकड़ जमीन आधुनिक मैटालिक्स ग्रुप कए आवंटित कएल गेल। इ संयंत्र 2011 क जून तक चालू होवा अनुमान अछि, जे पूर्णरूपेण कोयला परि आधारित होएत।
बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) भारत स निवेश क 55 प्रस्ताव आ विदेश मे विभिन्न क्षेत्र मे विशेष रूप से खाद्य प्रसंस्करण मे प्राप्त केलक। निवेशक पंडौल, हाजीपुर, पटना, सीवान आ मुंगेर जेहन जगह परि काज करबाक रुचि देखउलक। मालूम हुए जे बिहार मे बियाडा क 49 टा औद्योगिक क्षेत्र अछि। बियाडा क कुल 477.15 एकड़ जमीन अधिगृहीत अछि आ यूनिट क संख्या 1809 टा अछि। बियाडा क तरफ से कहल गेल जे हम फर्म कए तरफ स बिहार मे बहुत ज्यादा निवेश प्रस्ताव कए लेल व्यवसायी आगंतुक कए प्रोत्साहित करि रहल छी। बियाडा क प्रबंध निदेशक अंशुली आर्य कए अनुसार बिहार सरकार बेहतर बुनियादी सुविधा, सड़क आ निवेशक कए स्थापित करबाक मे रुचि स बिहार मे उद्योग स्थापित करै वाला उद्योगपति आकर्षित भेल। राज्य मे औद्योगिक क्षेत्र क लेल कहलगांव मे 1000 मेगावाट ताप विद्युत संयंत्र क शुरुआत क बाद अलग फीडर बिजली उपलब्ध करबाक लेल योजना बनाउल गेल।
ओ आगू कहला जे मुख्यमंत्री क एक टा सपना छएल जे बिहार क खाद्य पदार्थ हर राज्य मे लोकप्रिय होबाक चाहि। बिहार पहिल राज्य अछि जे खाद्य उद्योग परि एक टा विशेष नीति जारी केलक। बियाडा क प्रयास अछि जे बिहार मे बेहतर औद्योगिक पर्यावरण आ निवेशक कए लेल सुविधा उपलब्ध कराउल जाए।

एमबीबीएस कोर्स मे आब 150 सीट होयत पीएमसीएच मे

पटना । पीएमसीएच मे एमबीबीएस कोर्स मे 150 सीट पर नामांकन संभव अछि। मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया (एमसीआइ) एहि पर हरी झंडी देखा देलक अछि। सरकार कए एकरा लेल नव मेडिकल कॉलेज खोलबाक आवश्यकता सेहो नहि पड़त। एमसीआइ क सदस्य डा वसंत सिंह कहला जे हाल दिल्ली मे आयोजित सामान्य परिषद क बैठक मे एहि प्रस्ताव कए पास करि देल गेल। प्रस्ताव मे कहल गेल अछि जे ओना त मेडिकल कॉलेज अस्पताल जतय मरीज क भर्ती क लेल खाट क संख्या 1500 या ओहि स बेसी अछि त ओतहि एमबीबीएस कोर्स मे 250 छात्र क नामांकन भ सकैत अछि।
एमसीआइ इ सेहो कहलक जे सीट बढ़ेबा लेल इ सेहो आवश्यक अछि जे छात्र आ खाट क संख्या क अनुपात मे शिक्षक, पारामेडिकल और अन्य कर्मचारी क संख्या पर्याप्त हेबाक चाही। एहि पैमाना पर बिहार क पीएमसीएच कए छोड़िकए कोनो आओर कॉलेज मे खाट क संख्या 1500 स बेसी नहि अछि। पीएमसीएच मे 1675 ओछान मरीज लेल आवंटित अछि। नालंदा मेडिकल,पटना और श्रीकृष्ण मेडिकल,भागलपुर मे 500 ओछान आवंटित अछि। दरभंगा मेडिकल मे 875 जखन कि अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल, गया आ जवाहरलाल नेहरू मेडिकल,भागलपुर मे क्रमशः 420-420 टा ओछान क स्वीकृति भेटल अछि। डॉ सिंह कहला जे एहि प्रस्ताव कए भारत सरकार कए अधिसूचित करैत अछि है, त बिना नव मेडिकल कॉलेज खोलने सीट क संख्या बढ़ाउल जा सकैत अछि।

दिल्ली मेट्रो सन बनत बांकीपुर डिपो

पटना। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम आमदनी बढ़ाव क हर उपाय करि रहल अछि। एकरा लेल निगम प्रशासन जर्जर भ चुकल बांकीपुर डिपो कए बहुउद्देशीय भवनक रूप मे विकसित करबाक योजना बना रहल अछि, जे दिल्ली मेट्रो स्टेशन सन देखबा मे लागत। निगम प्रशासन क योजना सूबा क तमाम डिपो आ स्टैंड कए विकसित करबाक अछि, मुदा शुरुआत बांकीपुर स कएल जाइत। एकरा बेंगलुरु आ चेन्नई क सरकारी बस स्टैंड क तरह विकसित करबाक परिकल्पना अछि। अधिकारी क मुताबिक निगम क तमाम डिपो आ स्टैंड खाली आ खस्ताहाल अछि। एहि स कोनो तरहक आमदनी नहि भ रहल अछि। एहि लेल निगम पूर्व मे एहि स्टैंड कए निजी संचालक कए किराया पर देबाक फैसला लेने छल। आब एकरा विज्ञापन साइट क रूप मे विकसित करबाक तैयारी अछि। मालूम हुए जे बांकीपुर डिपो कए बेंगलुरु आ चेन्नई क डिपो तरहक विकसित करबाक योजना चलि रहल अछि। जाहि विज्ञापन कंपनी कए डिपो सौंपल जाएत, ओ कंपनी एहि डिपो कए विज्ञापन साइट क रूप मे विकसित करत। निगम प्रशासन सेहो गांधी मैदान क करीब एतबा पैघ विज्ञापन साइट क आर्थिक अहमियत कए बुझि रहल अछि। साइट लेनिहार कंपनी निगम कए वार्षिक शुल्क देबा क संग-संग पूरा परिसर क देख-रेख, साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय क निर्माण, प्रकाश क समुचित व्यवस्था सेहो करत। किछु स्टॉल बनाउल जाइत, जे निजी संचालक कए सौंपल जाइत। एतय एटीएम लगाउल जाइत। एतबे नहि बहुमंजिला मल्टीप्लेक्स मे निजी कंपनी कए दफ्तर खोलबाक लेल जगह देबाक योजना सेहो अछि। मालूम हुए जे बांकीपुर डिपो मे पूर्व मे जिला परिवहन कार्यालय चलि रहल छल। बिस्कोमान मे स्थानांतरित भेलाक बाद स इ जगह बेकार पड़ल छल।

आकाशवाणी दरभंगा स मैथिली समाचार क प्रसारण शीघ्र

दरभंगा/नई दिल्ली। आब लोक कए आकाशवाणी क दरभंगा केंद्र स सेहो समाचार सुनबा लेल भेट सकैत अछि। एकरा लेल महानिदेशालय पहल शुरू करि देलक अछि। महानिदेशालय 11वीं पंचवर्षीय योजना मे सात क्षेत्रीय समाचार एकांश स्थापित करबाक निर्णय लेलक अछि। जाहिमे पुंछ, जोधपुर, राजकोट, विशाखापट्टनम, संभलपुर आ पासीघाट क संग दरभंगा सेहो शामिल अछि। आकाशवाणी महानिदेशालय, दिल्ली क अभियंत्रण निदेशक एके दीक्षित आकाशवाणी दरभंगा केंद्र कए पत्र लिखकए एकरा लेल रिपोर्ट मंगलथि अछि। श्री दीक्षित न्यूज रूम आ न्यूज आन फोन रूम क लेल 24 वर्गमीटर क दूटा कोठली क लेल 48 वर्गमीटर जगह क उपलब्धता क संगहि समाचार एकांश क लेल विद्युत सहित अन्य खर्च क संभावित ब्योरा सेहो मंगलथि अछि। श्री दीक्षित पूरा रिपोर्ट अतिशीघ्र पठेबाक निर्देश देलथि अछि। एहि संबंध मे पूछला पर आकाशवाणी दरभंगा क प्रभारी केंद्र अभियंता आईडी ठाकुर कहलाह जे पत्र क आलोक मे जानकारी दिल्ली पठाउल जा रहल अछि। उल्लेखनीय अछि जे 2 फरवरी, 1976 कए दरभंगा मे आकाशवाणी केंद्र क स्थापना क बाद स मिथिलावासी एहि ठाम स मैथिली मे समाचार प्रसारित सुनबाक सपना देखैत छथि। एकरा लेल विभिन्न संगठन क दिस स समय-समय पर आवाज सेहो उठल। करीब दू दशक बाद 'मैथिली संवाद' क नाम स समाचार क प्रसारण त आरंभ भेल हुआ, मुदा एकर प्रसारण मात्र एहि ठाम स शुरू भ सकल। दरभंगा मे समाचार यूनिट नहि रहबाक कारण पटना मे न्यूज तैयार करि ओतहि स 'ई आकाशवाणी दरभंगा थिक' उद्घोषणा क संग 'मैथिली संवाद' प्रतिदिन पढ़ल जा रहल अछि। एकरा दरभंगा केंद्र रिले कए प्रसारित करैत अछि। समाचार एकांश क स्थापना क बाद खबर एतहि तैयार करि प्रसारित भ सकत। संगहि प्रसारित होइवाला समाचार क संख्या आ अवधि क सेहो विस्तार भ सकत।

जगलथि पटनावासी, भागल डॉल्फीनक शिकारी

उज्ज्वल कुमार

पटना। आखिर कहिया रुकत इ हत्याक प्रवृति। राष्ट्रीय जल जीव घोषित भेलाक बावजूद पिछला एक सप्ताह मे पांचटा डॉल्फीन क शिकार भ चुकल अछि। वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 क तहत एकरा वन्य संरक्षित प्राणी क रूप मे चिन्हित कैल गेल अछि। एकर हत्या क अपराध मानवीय हत्या क अपराध क बराबर अछि। तहुमे खास कए गंगेटिक डॉल्फीन क संख्या त आब मात्र गिनल- चुनल अछि। स्थानीय लोकक कहब अछि जे केवल कानून बना देबा स एकर रक्षा नहि भ सकैत अछि। सरेआम दिन क 11 बजे दिन मे कृष्णा घाट क लग मे मछुआरा निडर भ कए डॉल्फीन क शिकार करैत अछि। इ त महज संयोग छल जे हल्ला भ गेल आ ओकरा अपन शिकार छोड़ि कए भागै पड़ल। जखनधरि मछुआरा कए एकर जीवित रहबाक अंदाजा नहि भ सकत, तखन धरि ओ निजी लाभ क लेल एहि तरह क प्राणीक हत्या करैत रहताह।

मुदा नहि बचि सकल डॉल्फीन

शनिदिन एगारह बजे कार्मिक सचिव गांधी घाट स्थित छोटका बोट स अपन अतिथि कए गंगा दर्शन करा रहल छलाह। एहि दौरान ओ गांधी घाट स लकए अन्य कई घाट क सफर करि रहल छलाह। ओ अपन अतिथि कए कहि रहल छलाह जे अगर डॉल्फिन क दर्शन भ जाए त मजा आबि जाइत। एहि पर बोट चालक कहलथि जे एतबा आसानी स डॉल्फिन नजर नहि अबैत अछि। तावत कृष्णा घाट पर किछु लोक हल्ला करैत देखल गेल बोट कए तेजी स घाट दिस ल जाइल गेल। घाट क समीप पहुंचलाह पर अचानक चारि स पांचटा मछुआरा क हाथ मे डॉल्फिन देखि सब स्तब्ध भ गेल। लोक मछुआरा कए गिरफ्तार करबा लेल पुलिस कए फोन मिला रहल छल। मुदा जखने कार्मिक सचिव क बोट घाट दिस अबैत देखलक मछुआरा भागि गेल। फेर दोसर बोट क मदद स डॉल्फिन कए गांधी घाट आनल गेल। डॉल्फिन कए मछुआरा क चंगुल स छुड़ाकए अननिहार अशोक कुमार सिंह कहला जे जखन हमसब एकरा उठाकए एहि ठाम अनने रही त इ जीवित छल, मुदा किछु काल बाद दम तोड़ि देलक। एकरा हम सब नहि बचा सक लहुं।

-आखिर कहिया बंद होयत डॉल्फीन क हत्या
- राष्ट्रीय जल पशु घोषित हेबाक बावजूद जारी अछि डॉल्फिन क शिकार
- कृष्णा घाट पर चार माह स जारी छल डॉल्फिन क शिकार
- नायलॉन क जाल मे आसानी स फंसि जाइत अछि डॉल्फिन
- जाल मे फंसा कए फेर ओकर गर्दन पर होइत अछि प्रहार
- सात दिन मे मारल गेल पांचटा

गर्दन पर छल लाठी क चोट

डॉल्फिन रिसर्चर डॉ आरके सिंह कहला जे डॉल्फिन मछुआरा क जाल मे फंसि गेल छल। ओ जाल स निकलबाक कई बेर कोशिश केलक जेकर निशान ओकर पूंछ आ मुंह पर देखल गेल। जखन ओ थाकि कए चूर भ गेल त मछुआरा ओकरा निकालबाक कोशिश केलक, जाहि क्रम मे ओकर गर्दन पर लाठी स मारल गेल। चूंकि एहि डॉल्फिन क बैस काफी कम अछि, ताहि लेल इ चोट नहि सहि सकल आ एकर मौत भ गेल

नॉयलॉन क जैल मे फंसि जाइत अछि डॉल्फिन

डॉ सिंहा कहैत छथि जे मछुआरा सब नॉयलॉन क जाल इस्तेमाल करैत अछि। जेकरा बिहार मे करेंटो जाल सेहो कहल जाइत अछि। चूंकि गंगा क डॉल्फिन आंनहर होइत अछि, ताहि लेल ओ अपन प्रतिध्वनि क इस्तेमाल करि शिकार करैत अछि। मुदा नॉयलॉन जाल स प्रतिध्वनि नहि आबैत अछि, जाहि कारण स ओ जाल मे आसानी स आबि जाइत अछि। फिलहाल जाहि डॉल्फिन क मौत भेल अछि ओ तीन-चार माह क छल आ ओकर लंबाई 1 मीटर 16 सेंटी मीटर छल। एकर जन्म जून क करीब मे भेल होयत।

पर्यटक कए खूब रिझबैत अछि गंगैटिक डॉल्फीन

स्टेट टूरिज्म डिपार्टमेंट क डीजीएम नवीन कुमार क कहला जे गंगैटिक डाल्फीन विदेशी पाहुन कए खूब रिझबैत अछि। ओ भोर स सांझ धरि गंगा मे टकटकी लगाकए एकरा अपन कैमरा मे कैद करबाक प्रयास करैत छथि। पांडव क्रूज क जरिए विदेशी पाहुनक क गंगा प्रवास बढ़ल अछि। नवीन कुमार कहैत छथि जे इस मार्ग पर लोकक दिलचस्पी बढ़ेबा लेल गंगैटिक डॉल्फीन क महत्वपूर्ण भूमिका अछि।

छोड़ल गेल छल डॉल्फीन

पर्यटक कए रिझेबा लेल गंगा मे खास तौर स डॉल्फीन कए छोड़ल गेल छल। एहन मे एकर हत्या कए त कतई बर्दाश्त नहि कैल जा सकैत अछि। प्रशासन स अनुरोध अछि जे एहि तरहक काज मे लिप्त लोकक खिलाफ सख्त कार्रवाई कैल जाए, ताकि एहि तरहक गतिविधि कए रोकल जा सके। इ खुशीक गप जे एहि मुहिम मे आम लोकक सहयोग भेटि रहल अछि। आशा अछि इ सुंदर जीव गंगा क गर्भ मे सुरक्षित रहत।

बिहार कए विशेष राज्य नहि, विशेष सहायता क जरूरत : अहलूवालिया

पटना। बिहार कए विशेष राज्य नहि, विशेष सहायता क जरूरत अछि। देश क विकास क लेल बिहार क विकास आवश्यक अछि। प्रदेश क विकास स संबंधित इ निष्कर्ष योजना आयोग क उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया क छी। अपने पहिल दौरा पर पटना आएल अहलूवालिया बिहार पर काफी मेहरबान रहलथि। ओ कहला जे राज्य कए विशेष सहायता क दरकार एहि लेल अछि, किया कि इ विकास क पैमाने पर पिछड़ल राज्य (डेवलपमेंट डेफिसिट स्टेट) अछि। ताहि लेल ओ राष्ट्रीय सम विकास योजना क तहत सालाना भेटैयवाला एक हजार करोड़ क राशि कए दू हजार करोड़ करबा क सिफारिश पर अपन मुहर लगा देलथि। एतबे नहि ओ कांटी आ बरौनी थर्मल पावर स्टेशन क जीर्णोद्धार क रकम मे भेल वृद्धि क भरपाई करबाक गप सेहो मानि लेलथि।
मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आ राज्य सरकार क आला अफसर क संग बुधवार कए अहलूवालिया मुख्य सचिवालय मे राज्य योजना क विस्तृत समीक्षा केलथि। अड़चन आ जरूरत बुझलथि। सरकार क प्रयास कए सराहलथि। किछु सुझाव देलथि आ कहलथि जे विकास क गति बनल रहे एकरा लेल राज्य कए राज्य कए खास मदद भेटबाक चाही। प्रदेश किछु दीर्घकालीन समस्या स दू-चारि अछि, त दिक्कत केंद्रीय एजेंसी आ केंद्रीय योजना कए ल कए सेहो अछि। देखल जाए जे ओकरा कोना दूर कैल जा सकैत अछि। केंद्र सरकार कतय आ केना राज्य क मदद करि सकैत अछि। केन्द्रीय एजेंसी एहि ठाम केना काज तेज करि सकैत अछि।
योजना आयोग क उपाध्यक्ष क समक्ष जखन विशेष राज्य क मसला उठल, तखन ओ कहला जे मुख्यमंत्री एहि संबंध मे पत्र लिखने छलाह। कई दोसर राज्य सेहो कतार मे अछि। ओना त इ मुद्दा राष्ट्रीय विकास परिषद क अछि , लेकिन एहि स कोनो खास फायदा होइ वाला नहि अछि। बस किछु रियायत भेट सकैत अछि। समयक मांग अछि जे बिहार कए अतिरिक्त संसाधन मुहैया कराउल जाएं। कोसी क बाढ़ क सवाल आयल त योजना आयोग क उपाध्यक्ष समाधान क तौर पर दीर्घकालीन प्लानिंग क दरकार बता देलथि। कहला जे इ एकटा पैघ समस्या अछि। राज्य क भूगोल एकर मूल मे अछि। बाढ़ स निजात पेबा लेल विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) बनेबाक जरूरत अछि। एकरा लेल काफी संसाधन चाही।

शाहाबाद मे बनत फूड पार्क

पटना। उद्योग मंत्री विजेन्द्र प्रसाद यादव क अनुसार 'धान क कटोरा' शाहाबाद म एक टा पार्क बनत।

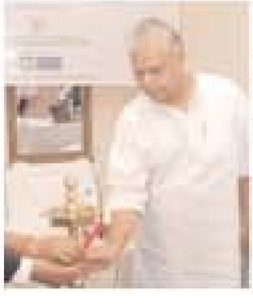

उद्योग जगत क शब्दावली मे एकरा फूड पार्क कहल जाओत आ धान-चावल पर फोकस होएत। फिलहाल मामला विचाराधीन अछि, मुदा उम्मीद अछि जे एहि संबंध मे शीघ्र कोनो फैसला भ जाएत। संगे इथनाल उत्पादन पर लागल रोक खत्म भ जाएत। केन्द्र स ऐहन संकेत भेटल अछि। चीनी उत्पादक संघ गन्ना कए कीमत 160 टा भुगतान करबाक फैसला लेलक अछि। श्री यादव दिल्ली क प्रगति मैदान मे चलि रहल अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला मे एहि सोच कए सामने रखला। ओ कहला जे राज्य विभाजन क बाद खेती सूबा क समृद्धि कए रास्ता खोलत। उद्योग क स्थापना आ निवेश क चुंबक कृषि क्षेत्र बनत। अगिला 10-15 साल मे माथ पर चस्पां पिछड़ापन क दंश सेहो धुल जाइत। इ हम नहि, आब योजना आयोग सेहो कहि रहल अछि। राज्य क दौरा पर आएल आयोग क उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया कहला जे सूबा मे काज दिख रहल अछि। उद्योग मंत्री क मुताबिक केन्द्र स इथनाल उत्पादन पर लागल रोक खत्म होबाक संकेत भेटल अछि। बात बनल त रिलायंस, भारत पेट्रोलियम, इंडिया ग्लायकोल जेहन कंपनी राज्य मे इथनाल क उत्पादन शुरू करत। मालूम हुए जे राज्य मे उत्पादित होबै वाला गन्ना क गुणवत्ता ठीक अछि। चीनी उत्पादक संघ तय केलक अछि जे ओ प्रदेश मे 160 टका प्रति क्विंटल क दर स गन्ना खरीदत।

अनिल कए प्रशासनिक सुधार मिशन क अतिरिक्त प्रभार

पटना। राज्य सरकार क जन शिकायत सचिव सीके अनिल कए अपर निदेशक बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन क अतिरिक्त प्रभार सौंपल गेल अछि। हाल मे सरकार नरेगा, विधवा-विकलांग पेंशन, मुख्यमंत्री साइकिल, पोशाक आम जनता स जुड़ल योजना कए तेजी स लागू कराब क लेल विभिन्न अधिकारी कए अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपल गेल छल। ओहि मे मामूली फेरबदल कएल गेल अछि। कृषि निदेशक बी राजेन्दर कए अनुसूचित जाति आ जनजाति छात्रावास क विशेष अधिकारी क अतिरिक्त दायित्व सौंपल गेल अछि। जखन कि निदेशक मध्याह्न भोजन योजना (मानव संसाधन विभाग) क मुख्यमंत्री पोशाक योजना के बदला मुख्यमंत्री बाल पोशाक योजना आ बालिका पोशाक योजना क विशेष पदाधिकारी क अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपल गेल अछि।

अंक- 29, साल- 2, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह, समाचार संपादक : प्रीतिलता मल्लिक, फोटो संपादक सारिका झा। (खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com